

प्रेषक,

सुवर्द्धन,  
अपर राजिय  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,  
संस्कृति निदेशालय  
उत्तराखण्ड।

**संस्कृति अनुमान :**

देहरादून दिनांक २८ नावं 2008

**प्रियज्ञ :-** राज्य अग्निलेखागार के कार्मिकों को अन्य भत्ते का गुणान।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पात्र संख्या-2693 / रानि ३ / २-३/२००७-०८ दिनांक-२०-३-०८ को कग में पूछी यह कहने का निदेश हुआ है कि उपर्युक्त विषयक प्राप्तरण में ₹० ९.०० हजार (₹० नौ हजार मात्र) पुनर्विनियोग के माध्यम से निम्न शर्त एवं प्रतिक्रिया के आधीन निम्नानुसार एवं शलभक-क के अनुसार आपके निवासन पर रखो हुए व्यय किए जाने की भी शर्तपाल प्राप्त व्यय स्वीकृति प्रदान करते हैं।

२. उपरोक्त आवंटित भगवाणि का उपयोग केवल उन्हीं मात्रों में किया जायेगा, जिन मात्रों में यह स्वीकृत विषय जा रहा है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भगवाणि का आवंटन वित्ती ऐसे व्यय की परने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों ग्र अन्य आदेशों के आधीन व्यय करने से पूर्ण रहाम अधिकारी की स्वीकृति प्रदान करना आवश्यक है। ऐसे व्यय राजनीति अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में वित्तान्तरा निलाना आवश्यक है।

३. जिसी भी मद में व्यय से पूर्ण वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, भण्डार कथ नियम तथा वित्तान्तरा सम्बंधी रामय-रामय पर निर्भात शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

४. समस्त वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा जिसी भी विन्दु पर विधित स्पष्ट न होने पर तत्काल शासन की अवगत कराया जायेगा।

५. उपरोक्त व्यय निम्नानुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से प्रतिवानित घनसंक्षि से बहन किया जायेगा—

वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-11-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अग्निलेखागार-03-राज्य अग्निलेख-00-01-वेतान मानक मद के आयोजनागत पक्ष में हो रही वर्ताओं से ₹० ९.०० हजार मात्र (₹० नौ हजार मात्र) अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अग्निलेखागार-03-राज्य अग्निलेख-00-06-अन्य भत्तों मानक मद के आयोजनेतार पक्ष में पुनर्विनियोग के माध्यम से पक्ष में रथानान्तरित करते हुए किया जायेगा। उपरोक्त पुनर्विनियोग संलग्न 'क' के कालम-१ के वर्ताओं से बहन किया जायेगा।

6. उक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या- 536 (एन.पी.)/वित्त अनु०-३/2008 दिनांक-26 मार्च, 2008 में प्राप्त सनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।  
संलग्नक-यथोपरि।

मंशीय  
श्री

(सुनील)  
अपर राजिव

पृष्ठांकन संख्या- १८/VI-१/2008-२(१९)०७ सदिनाकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यालयी हेतु प्रेषित।

1. महालेखावार, लेखा एवं हक्कारी, तैभग यैलेस, री-। / 105 इन्डिस नगर, देहरादून।
2. निजी संधिय, मा० मुख्यग्री और मा०सजी जी उत्तराखण्ड शासन।
3. वित्त (व्याय नियंत्रण) अनुभाग-३, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. गरिम कोषाधिकारी, देहरादून।
5. बजट राजकीयीय नियोजन व संराजन निर्देशालय समिकालय, देहरादून।
6. एगोआइ०री० देहरादून।
7. गाड़ी फाइल।

लाजा से  
(एस०एस०वल्लीग)  
उप समिति

127

एसवीपीए 2007-08 दिनांक ५३

महाराष्ट्र निवासी-नेहरान, सतकृति निवासी।

બેન્ડાનું-15  
યુનિવર્સિટી 2007-08 રિઝલ્ટ

एकाग्री द्वारा लिप्त है।

ग्रनाइट लिया जाता है कि दुनिया का सबसे स्पूर्ह है विश्व। ५५-५८

३८

उत्तराखण्ड राजनी  
क्रम (बद्द निपुण) अनुमान-३  
तात्त्व-५५०७५०८०९ इनमा-३ / २००६  
दस्तावेज़ दिनांक २५ अक्टूबर २००६  
पुनर्देशनयान स्थीकृत

संघ मे

भारतखाकार

उत्तराखण्ड, देहरादून।

दिनांक

संघ-

प्रतिनिधि-निनीतिका को मूल्यांश एवं ग्रावर्षक घासांहे लृष्टि।

१-निदराम, लक्ष्मी निदरामालय, उत्तराखण्ड देहरादून।

२-निदराम, कम्बगढ़ एवं गिर लोहार २३ लैसी गढ़ देहरादून।

३-गिर लोहारिया, देहरादून।

४-जित (बद्द निपुण) अनुमान-३ उत्तराखण्ड राजनी

५-निदराम, निदरामस्ति सचिवालय परिसर।

(एल) एम् पटा  
अपर सचिवालय  
उत्तराखण्ड राजनी

अप्रृष्ट स  
  
(अपर सचिवालय  
उत्तराखण्ड राजनी)